Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	30th September 2017

NBT
नवभारत टाइम्स

शहर को पल्यूशन फ्री बनाने के लिए इस बार इको फ्रेंडली रावण दहन की तैयारी

कहीं लेजर शो में तो कहीं केमिकल फ्री दहन

■ साक्षी रावत, गुड़गांव

इस बार शहर में इको फ्रेंडली दशहरा मनाने के इंतजाम किए गए हैं। पहली बार रावण का पुतला आसमान में लेजर लाइट से तैयार होगा और लाइटों के जरिए ही यह धू-धू कर जलता नजर आएगा। दहन का पूरा इफेक्ट देने के लिए बेहतरीन साउंड का इंतजाम किया गया है। इसके अलावा दशानन का केमिकल फ्री पुतला भी बनाया गया है। यह 2 से 5 मिनट में खाक हो जाएगा। अलग-अलग जगह लग रहे मेलों में खाने-पीने, सुरक्षा और मनोरंजन के पूरे इंतजाम किए गए हैं।

बढ़ते पल्यूशन के चलते रामलीला कमिटियां इस बार सजग हैं। इसके लिए सेक्टर-82 स्थित वाटिका सिटी में स्क्रीन पर लेजर लाइट से रावण जलाया जाएगा। इसके अलावा यहां डांस परफॉर्मेंस और फन एक्टिविटीज का भी पूरा इंतजाम किया गया है। वहीं, बस स्टैंड दशहरा ग्राउंड और गीता भवन रामलीला कमिटी की ओर से इस बार केमिकल फ्री पुतले बनवाए गए हैं। दहन में ज्यादा शोर और पल्यूशन न हो, इसलिए कागज और बांस के बने ये पुतले 2 से 5 मिनट के अंदर जल जाएंगे।

आज पब्लिक ट्रांसपोर्ट का करें इस्तेमाल

बस स्टैंड स्थित गौशाला ग्राउंड के पास इस बार कोई पार्किंग नहीं बनाई गई है। ऐसे में यहां जाने वाले लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। वहीं, न्यू कॉलेनी स्थित दशहरा ग्राउंड में भी पार्किंग के लिए जगह नहीं है। सेक्टर-9 का ग्राउंड काफी बड़ा है। यहां पार्किंग के लिए काफी स्पेस है।

कठपुतली शो और ग्रुप डांस का भी इंतजाम

दशहरे पर दूसरे राज्यों के कलाकारों को विशेष तौर पर बुलाया गया है। सेक्टर-10 स्थित ग्राउंड में राजस्थान के कलाकार कठपुतली का शो दिखाएंगे। वहीं, नैनीताल से आया डांस ग्रुप भी मंच पर परफॉर्म करेगा। सेक्टर-4 स्थित ग्राउंड में दोपहर 3 बजे से दशहरा कार्यक्रम की शुरुआत हो जाएगी। यहां उत्तरप्रदेश से कलाकारों को विशेष रूप से बुलाया गया है। कलाकारों की प्रस्तुति के बाद शाम 6 बजे रावण दहन किया जाएगा।

कहां कितने बजे होगा दहन

- बस स्टैंड के पास दशहरा ग्राउंड में शाम 4 बजे से कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। 6 बजे 60 फुट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा।
- न्यू कॉलोनी स्थित दशहरा ग्राउंड में शाम 5 बजे 50 फुट ऊंचे रावण के दहन का कार्यक्रम शुरू होगा।
- रेलवे रोड स्थित श्री सिद्देश्वर रामलीली में 45 फुट का रावण जलाया जाएगा। कार्यक्रम **शाम 5 बजे शुरू** होगा।
- सेक्टर-31 स्थित श्री कृष्ण मंदिर में शाम 5 बजे से दशहरा उत्सव शुरू होगा। दहन से पहले नन्हे कलाकार मंच पर परफॉर्म करेंगे।
- पालम विहार में पालम चौक के पास स्थित ग्राउंड में शाम 7 बजे रावण का दहन किया जाएगा।

Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	11
Date	1st October 2017

NBT
नवभारत टाइम्स

रावण दहन से हुआ बुराई का अंत

शहर में जगह-जगह हुआ आयोजन, रही भारी भीड़

Kailash

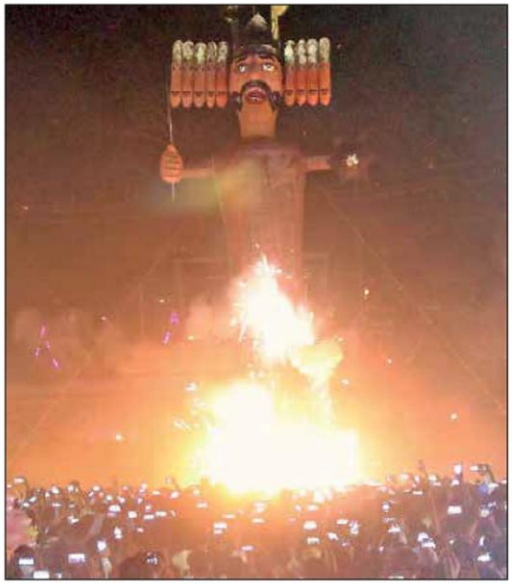

ओल्ड गुड़गांव स्थित गौशाला ग्राउंड में जलता रावण

ओल्ड गुड़गांव में राम-रावण के बीच जमकर हुआ युद्ध

पटौदी में रावण वध के बाद लोगों ने मनाई खुशियां

रेवाड़ी के हुडा मैदान में जला रावण

■ एनबीटी न्यूज, गुड़गांव

शहर में जगह-जगह आयोजित रामलीलाओं में शनिवार को बुराई और घमंड के प्रतीक रावण का दहन किया गया। शहर के सेक्टरों से लेकर अलग-अलग सोसाइटी में हजारों लोग रावण का दहन देखने निकले। शहर में आयोजित रामलीलाओं में रावण का दहन लेजरवैली ग्राउंड, बस स्टैंड स्थित गोशाला ग्राउंड, गीता भवन स्थित दशहरा ग्राउंड, रेलवे रोड स्थित सिद्धेश्वर मंदिर के पास, पालम विहार, सेक्टर-82 वाटिका सिटी समेत कई स्थानों पर किया गया। शाम 7:00 बजे से रावण का दहन होना शुरू हो गया था, जोकि साढ़े 8 बजे तक संपन्न हुआ।

लेजर लाइट से 'जलाया' रावण

सेक्टर-82 के वाटिका इंडिया नेक्स्ट क्लब लॉन्स में एक प्रदूषण मुक्त ग्रीन दशहरा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में लेजर लाइट और साउंड के माध्यम से रावण दहन किया गया। इससे न आग जलानी पड़ी न ही कोई प्रदूषण हुआ। इन्वायरो के प्रेजीडेंट एके सिंह ने कहा कि प्रदूषण मुक्त दशहरा मनाने से एक तरफ तो जश्न का माहौल था वहीं, पर्यावरण को भी इससे कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

एक किलोमीटर तक हुआ युद्ध

बस स्टैंड गोशाला ग्राउंड में रावण दहन से पहले जैकबपुरा से होते हुए ग्राउंड में एक किलोमीटर की दूरी तक राम और रावण के बीच युद्ध दिखाया गया। ये लड़ते हुए सदर बाजार के मार्केट से होते हुए बस स्टैंड रोड और फिर गोशाला ग्राउंड में पहुंचे। इसमें आयोजित रामलीला में शनिवार को मंचन की शुरुआत युद्ध भूमि से होती है। राम जी रणक्षेत्र में हैं, वह वानर वीरों के साथ मंत्रणा करते हैं। उधर रावण सोचता है कि उनके बड़े-बड़े योद्धा रणभूमि में परमगति को प्राप्त हो गए हैं। इतने में रावण का भाई अहिरावण आ जाता है। वह कहता है कि अहिरावण विभीषण का रूप धारण करके माया द्वारा राम-लक्ष्मण का हरण करके पातालपुरी ले जाता है। इसी कड़ी में कुछ देर मंच के बाद राम और रावण में युद्ध शुरू हो जाता है। युद्ध के दौरान राम जब रावण को मारने में विफल होते हैं कि विभीषण उन्हें बताते हैं कि रावण की नाभि में अमृत है, अगर वहां वार किया जाए तो रावण मर जाएगा। राम ठीक वैसा ही करते हैं और रावण का वध कर देते हैं। रावण वध के बाद, कुंभकरण, मेघनाद के साथ महंगाई का दहन किया जाता है। साथ ही भ्रष्टाचार व नारी उत्पीड़न के पुतलों का भी दहन किया जाता है।

5 बजे से ही बढ़ने लगी थी भीड़

गीता भवन सनातन धर्म रामलीला रामलीला में भी शाम 5 बजे से रावण दहन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। यहां कई हजार कुर्सियों की व्यवस्था थी, लेकिन 6 बजे तक सभी कुर्सियां फुल हो गईं। लोगों को खड़े रहने के लिए जगह ढूंढनी पड़ी। करीब साढ़े 7 बजे रावण का दहन किया गया। रावण दहन से पहले राम-रावण युद्ध का मंचन देखने लायक था।

कठपुतली का शो आया बच्चों को पसंद

सेक्टर-9 स्थित विशाल दशहरा उत्सव समिति की ओर से आयोजित रामलीला में भी शाम 4:00 बजे से लोगों की भीड़ जमा होनी शुरू हो गई थी। यहां मेला लगाया गया था वहीं, कठपुतली का शो भी इस दौरान किया गया। यहां भी सैकड़ों लोगों की संख्या जमा हुई और राम-रावण युद्ध का मंचन देखा। रावण दहन होते ही तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा मैदान गूंज उठा।

पटौदी में दशहरे पर निकाली गई शोभा-यात्रा

Publication	Amar Ujala
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	1st October 2017

अमर उजाला

रिमोट से हुआ 80 फीट ऊंचे रावण का दहन

साइबर सिटी में हुई हाईटेक रामलीला, कई स्थानों पर लीला

अमर उजाला ब्यूरो

गुरुग्राम।

साइबर सिटी में दशहरा धूमधाम से मनाया गया। शहर के सेक्टर-29 के लेजर वैली पार्क में सबसे बड़े 80 फुट रावण के पुतले का दहन हाईटेक तरीके से रिमोट से किया गया। शिवपुरी में 65 फीट के रावण का दहन किया गया। गौशाला मैदान में भी 60 फीट रावण के पुतले का दहन किया। सेक्टर-82 में आयोजित दशहरा में लेजर, लाइट और साउंड के माध्यम से रावण दहन किया गया। इससे न आग जलानी पड़ी और न ही कोई प्रदूषण हुआ। सभी जगहों पर मेला लगा रहा। लोगों की भीड़ रही। उधर, पटौदी में हरि मंदिर आश्रम में महामंडलेश्वर की अगुवाई में रावण दहन हुआ। अनाज मंडी और हेलीमंडी में भी रावण परिवार के पुतले जलाए गए।

शहर में दशहरा पर्व के लिए विभिन्न जगहों पर किए गए दहन में सुरक्षा के कड़े इंतेजाम किए गए थे। सभी जगहों पर पीसीआर वैन, चिकित्सा टीम और अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौजूद रही। लेजर वैली पार्क में मुख्य अतिथि जीएमडीए के सीईओ आनंद मोहन शरण व डिविजनल कमिश्नर डी. सुरेश ने शिरकत की। वहीं गौशाला मैदान में नगर निगम के पूर्व मेयर विमल यादव मुख्य अतिथि थे।

शहर में विभिन्न रामलीला कमेटियों ने शनिवार को आखिरी मंचन किया। इसमें राम और रावण के बीच युद्ध की लीला हुई। प्रेम मंदिर रामलीला कमेटी व श्रीदुर्गा रामलीला कमेटियों ने शहर में विभिन्न जगहों से होकर झांकियां भी निकाली। लोगों ने रावण के अंत को बुराइयों की हार और अच्छाई की जीत का प्रतीक बताते हुए अपने अंदर का रावण मारने का भी आह्वान किया। सोशल मीडिया भी तरह-तरह के मैसेज व बधाइयों का तांता लगा रहा।

लेजर वैली पार्क : दशहरे के मेले का भी यहां आयोजन हुआ। रावण दहन के इस 12वें पर्व की आयोजक श्री बाला जी धार्मिक समिति रही। मुख्य अतिथि आनंद मोहन शरण के पहुंचने के बाद रामलीला मंचन हुआ। कुंभकर्ण व मेघनाथ के वध के बाद रावण और राम के बीच युद्ध हुआ। रावण के अंत के बाद आनंद मोहन शरण ने हाथ से रिमोट का बटन दबाया और रावण का दहन शुरू हो जाता है। हजारों लोगों ने यहां गानों पर डांस व आतिशबाजी कर जश्न मनाया। यहां 80 फीट रावण का पुतला, 70 फीट कुंभकर्ण का और 60 फीट विभिषण के पुतले का दहन किया गया।

गौशाला मैदान : यहां 25वीं बार रावण दहन किया गया। इससे पहले यहां जैकबपुरा में मंचन करने वाली श्री दुर्गा रामलीला कमेटी ने राम और रावण के बीच युद्ध की लीला का मंचन किया। जैकबपुरा के बजाय इसका मंचन गौशाला मैदान में किया गया। इससे पहले दुर्गा रामलीला कमेटी ने शहर के विभिन्न जगहों ट्रैक्टरों से झांकियां भी निकालीं। वहीं प्रेम मंदिर रामलीला कमेटी ने भी शहर में शाम को झांकियां निकालीं। उसके बाद रामलीला का मंचन किया गया फिर रात को 12:00 बजे के बाद रावण का दहन करने का आयोजन किया गया। गुरु द्रोणाचार्या रामलीला क्लब ने भी रात को रामलीला के मंचन के बाद ही रावण का दहन किया गया। यहां 25 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया।

यहां भी जला रावण : देर शाम शहर में कई जगह रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले दहन किए गए। न्यू कॉलोनी राम लीला ग्राउंड, अर्जुन नगर, सेक्टर-14, सेक्टर सात एक्सटेंशन, कृष्णा कॉलोनी, भीम नगर, सेक्टर पांच हुडा ग्राउंड, शिवपुरी, गुड़गांव गांव में आयोजित लंका दहन में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए।

सोहना में कई स्थानों पर जला लंकेश

सोहना। कस्बा सोहना में दशहरा पर लोगों ने घरों में पूजा-अर्चना की। बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर सत्य पर चलने की प्रेरणा दी। व्यापारियों ने दुकानों में पूजा कर धन की कामना की। देर शाम झांकियां निकालने के बाद रावण दहन किया गया। कस्बे में 10 दिन चल रही रामलीला शनिवार को समाप्त हो गई। प्राचीन शानदार रामलीला क्लब द्वारा अनाज मंडी परिसर में रावण दहन किया गया। वहीं श्री सनातन धर्म सभा व शिव रामलीला कमेटी ने खेल स्टेडियम में रावण दहन किया। सनातन धर्म सभा प्रधान प्रवीन पाहुजा, शानदार रामलीला क्लब प्रधान हुकुम चंद सिंगला, पूर्व पार्षद धर्मचंद जिंदल, प्रदीप गर्ग, चंद्रभान, शिव रामलीला कमेटी महासचिव देवेंद्र अग्रवाल मौजूद रहे। ब्यूरो

श्रीराम की शोभायात्रा पर बरसाए गए फूल

गुरुग्राम। मंदिर से प्रभु श्री राम की पूजा -अर्चना के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ शोभायात्रा की शुरुआत हुई। शाम 4:00 बजे से शुरू हुई शोभायात्रा शाम करीब 8:00 बजे तक शहर की प्रमुख रास्तों और गलियों से होकर निकली। हर गली, मोहल्ले में शहरवासियों ने पुष्पों की वर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। शाम ढलने के साथ शोभायात्रा में लोगों की संख्या बढ़ती चली गई। शोभायात्रा में भगवान राम, लक्ष्मण, राजा दशरथ सहित राधा-कृष्ण, शिव पार्वती, संकट मोचन हनुमान, ब्रह्मा, नारद आदि की झांकियां निकाली गईं। ब्यूरो

एमजी रोड पर ट्रैफिक यमराज ने लोगों को नियमों के प्रति जागरुक किया।

रामलीला का मंचन करते कलाकार।

बंगाली समाज की महिलाओं ने दशहरे पर मां दुर्गा को विदाई देने के साथ परंपरागत सिंदूर खेला का आयोजन किया। अमर उजाला

Publication	Gurgaon Mail
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	07
Date	1st October 2017

गुड़गांव मेल

इन्वायरो ने लेजर लाइट और साउंड के द्वारा किया रावण दहन

ब्यूरो/गुड़गांव मल

गुड़गांव, 30 सितंबर। पर्यावरण की सुरक्षा ज्यादा जरुरी है क्योंकि यह मनुष्य के लिए सबसे ज्यादा जरुरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए वटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान इन्वायरो ने सेक्टर 82 के वाटिका इंडिया नेक्स्ट क्लब लॉन्स में एक प्रदूषण मुक्त ग्रीन दशहरा का आयोजन किया। इस आयोजन में लेजर, लाइट और साउंड के माध्यम से रावण दहन किया गया। इससे न आग जलाना पड़ा और न ही कोई प्रदुषण हुआ।

वाटिका इंडिया नेक्स्ट की निवासी इति दास ने कहा इस आयोजन में प्रदूषण रहित दशहरा मनाना, उत्सवों की अवधारणा के प्रति एक बड़ा कदम है। लेजर, लाइट और साउन्ड शो तथा नृत्य प्रदर्शन के साथ अन्य कई मज़ेदार गतिविधियां भी इस आयोजन में शामिल रहीं। हमारे लिए दूर जाना संभव नहीं है और हम शुक्रगुजार हैं कि इन्वायरो ने सभी त्योहारों को हमारी सोसाइटी में मनाया।

इन्वायरो के प्रेसिडेंट ए.के. सिंह ने कहा कि- इन्वायरो सदैव त्योहारों को मानाने के लिए तैयार रहता है प्रदूषण मुक्त दशहरा मनाना, त्योहारों के लिए पारंपरिक धारणा एक कदम आगे है ङ्क हम इस माध्यम से यह भी बताना चाहते हैं की जश्न मनाने के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना उचित नहीं है त्यौहार हमेशा लोगों को एक दुसरे के साथ जोड़ते हैं और यह इन्वायरो का मंच हमेशा ऐसे सांस्कृतिक उत्सवों के लिए तैयार रहता है।

डीएलएफ गार्डेनसिटी में धूम धाम से रावण दहन किया गया। डीएलएफ गार्डेनसिटी के निवासी भारी तादात में न्यू टाउन हाइट्स सेक्टर 90 में एकत्रित हुए। आतिशबाज़ी ओर रंगा रंग कार्यक्रम के साथ रावण दहन किया गया।

CORE SECTOR COMMUNIQUÉ

http://corecommunique.com/enviro-organizes-green-dussehra-light-sound/

Enviro organizes Green Dussehra with light and sound

In a bid to protect the enviroment, **Enviro – the facilities management wing of Vatika Group organized a Pollution free Green Dusshera** at Club lawns, Independent floors, Sector 82, Vatika India Next. **A virtual image of Ravana was created using laser lights and the Ravana dahan was done with the help of laser lights and sound.** It was a wonderful sight and a unique attempt to save the environment from pollution.

Iti Das, Resident, Vatika INXT, said, "The pollution-free Dussehra organized at Vatika INXT is a big step towards the concept of sustainable festivities. There are a lot of eco-friendly activities like the laser, light & sound show, dance performances & loads of fun filled activities. For us to go on the other side of the city by crossing the toll every time isn't really possible, thankfully all the festivals are celebrated in our society itself by Enviro."

K .Singh, President, Enviro, said, " We at enviro are always geared up to celebrate festivals with our residents in full gusto The pollution-free Dussehra at Vatika INXT is one step forward towards sustainable festivities proving that our fun need not always be at the cost of our environment. Apart from bringing everyone together to celebrate the festivities, these events also act as an amazing platform for cultural exchange."

People were dressed in ethnic attire and participated in huge number to celebrate the festival with a lot of excitement. People of all age group were seen enjoying the fun-filled activities. The event consisted of various dance performances, laser, light and dance show.

Sonia Judeja, Resident, Vatika City, said, "Dussehra as a festival has great significance & what better way to celebrate it than with an artistic Dussehra carnival organized by enviro. The whole condominium looks like a paradise with twinkling lights if all hues shining bright. There's a festive vibes everywhere with ravana effigies lined up, shopping stalls, delicious mouth-watering snacks & other fun filled activities. It's always fun to indulge in the festivities with events like these."

नवभारत टाइम्स

http://navbharattimes.indiatimes.com/state/punjab-and-haryana/gurgaon/the-end-of-the-evil-of-ravana-combustion/articleshow/60895641.cms

रावण दहन से हुआ बुराई का अंत

शहर में जगह-जगह आयोजित रामलीलाओं में शनिवार को बुराई और घमंड के प्रतीक रावण का दहन किया गया। शहर के सेक्टरों से लेकर अलग-अलग सोसाइटी में हजारों लोग रावण का दहन देखने निकले। शहर में आयोजित रामलीलाओं में रावण का दहन लेजरवैली ग्राउंड, बस स्टैंड स्थित गोशाला ग्राउंड, गीता भवन स्थित दशहरा ग्राउंड, रेलवे रोड स्थित सिद्देश्वर मंदिर के पास, पालम विहार, सेक्टर-82 वाटिका सिटी समेत कई स्थानों पर किया गया। शाम 7:00 बजे से रावण का दहन होना शुरू हो गया था, जोकि साढ़े 8 बजे तक संपन्न हुआ।

सेक्टर-82 के वाटिका इंडिया नेक्स्ट क्लब लॉन्स में एक प्रदूषण मुक्त ग्रीन दशहरा का आयोजन किया गया। इस-आयोजन में लेजर लाइट और साउंड के माध्यम से रावण दहन किया गया। इससे न आग जलानी पड़ी न ही कोई प्रदूषण हुआ। इन्वायरो के प्रेजीडेंट एके सिंह ने कहा कि प्रदूषण मुक्त दशहरा मनाने से एक तरफ तो जश्न का माहौल था वहीं, पर्यावरण को भी इससे कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

एक किलोमीटर तक हुआ युद्ध

बस स्टैंड गोशाला ग्राउंड में रावण दहन से पहले जैकबपुरा से होते हुए ग्राउंड में एक किलोमीटर की दूरी तक राम और रावण के बीच युद्ध दिखाया गया। ये लड़ते हुए सदर बाजार के मार्केट से होते हुए बस स्टैंड रोड और फिर गोशाला ग्राउंड में पहुंचे। इसमें आयोजित रामलीला में शनिवार को मंचन की शुरुआत युद्ध भूमि से होती है। राम जी रणक्षेत्र में हैं, वह वानर वीरों के साथ मंत्रणा करते हैं। उधर रावण सोचता है कि उनके बड़े-बड़े योद्धा रणभूमि में परमगति को प्राप्त हो गए हैं। इतने में रावण का भाई अहिरावण आ जाता है। वह कहता है कि अहिरावण विभीषण का रूप धारण करके माया द्वारा राम-लक्ष्मण का हरण करके पातालपुरी ले जाता है। इसी कड़ी में कुछ देर मंच के बाद राम और रावण में युद्ध शुरू हो जाता है। युद्ध के दौरान राम जब रावण को मारने में विफल होते हैं कि विभीषण उन्हें बताते हैं कि रावण की नाभि में अमृत है, अगर वहां वार किया जाए तो रावण मर जाएगा। राम ठीक वैसा ही करते हैं और रावण का वध कर देते हैं। रावण वध के बाद, कुंभरकरण, मेघनाद के साथ महंगाई का दहन किया जाता है। साथ ही भ्रष्टाचार व नारी उत्पीड़न के पुतलों का भी दहन किया जाता है।

5 बजे से ही बढ़ने लगी थी भीड़

गीता भवन सनातन धर्म रामलीला रामलीला में भी शाम 5 बजे से रावण दहन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। यहां कई हजार कुर्सियों की व्यवस्था थी, लेकिन 6 बजे तक सभी कुर्सियां फुल हो गईं। लोगों को खड़े रहने के लिए जगह ढूंढनी पड़ी। करीब साढ़े 7 बजे रावण का दहन किया गया। रावण दहन से पहले राम-रावण युद्ध का मंचन देखने लायक था।

कठपुतली का शो आया बच्चों को पसंद

सेक्टर-9 स्थित विशाल दशहरा उत्सव समिति की ओर से आयोजित रामलीला में भी शाम 4:00 बजे से लोगों की भीड़ जमा होनी शुरू हो गई थी। यहां मेला लगाया गया था वहीं, कठपुतली का शो भी इस दौरान किया गया। यहां भी सैकड़ों लोगों की संख्या जमा हुई और राम-रावण युद्ध का मंचन देखा। रावण दहन होते ही तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा मैदान गूंज उठा।

नवभारत टाइम्स

http://navbharattimes.indiatimes.com/state/punjab-and-haryana/gurgaon/ravan-will-be-burnt-in-some-2-minutes-or-so-on-the-screen/articleshow/60884918.cms

कहीं 2 मिनट में तो कहीं स्क्रीन पर जलेगा रावण

एनबीटी न्यूज, गुड़गांव

इस बार शहर में इको फ्रेंडली दशहरा मनाने के इंतजाम किए गए हैं। शहर में पहली बार स्क्रीन में रावण का फोटो दिखाया जाएगा। इसे लेजर लाइट दिखाकर जलाया जाएगा। दहन का पूरा इफेक्ट देने के लिए बेहतरीन साउंड का इंतजाम किया गया है। इसके अलावा दशानन का केमिकल फ्री पुतला भी बनाया गया है। यह 2 से 5 मिनट में खाक हो जाएगा। शहर में अलग-अलग जगह लग रहे मेलों में खाने-पीने, सुरक्षा और पार्किंग के पूरे इंतजाम किए गए हैं।

बढ़ते पलूशन के चलते रामलीला कमिटियां और दशहरा कमिटियां भी सजग हैं। ऐसे में इस बार पलूशन फ्री ग्रीन दशहरा मनाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए सेक्टर-82 स्थित वाटिका सिटी में स्क्रीन पर लेजर लाइट से रावण जलाया जाएगा। इसके अलावा यहां डांस पर्फॉर्मेंस और फन एक्टिविटीज का भी पूरा इंतजाम किया गया है। इस बार लोग रावण, कुम्भकरण और मेघनाद को ज्यादा देर तक जलते हुए नहीं देख पाएंगे। बस स्टैंड दशहरा ग्राउंड और गीता भवन रामलीला कमिटी की ओर से आयोजित लीला में इस बार केमिकल फ्री पुतले बनवाए गए हैं। रावण दहन पर ज्यादा शोर और पलूशन न हो, इसलिए सिर्फ कागज और बांस के पुतले बनाए गए हैं। ये पुतले 2 से 5 मिनट के अंदर जल जाएंगे।

दशहरे पर दूसरे राज्यों के कलाकारों को विशेष तौर पर बुलाया गया है। सेक्टर-10 स्थित ग्राउंड में राजस्थान के कलाकार कठपुतली का शो दिखाएंगे। वहीं, नैनीताल से आया डांस ग्रुप भी मंच पर परफॉर्म करेगा। सेक्टर-4 स्थित ग्राउंड में दोपहर 3 बजे से दशहरा कार्यक्रम की शुरुआत हो जाएगी। यहां उत्तरप्रदेश से कलाकारों को विशेष रूप से बुलाया गया है। कलाकारों की प्रस्तुति के बाद शाम 6 बजे रावण दहन किया जाएगा।

सुबह 10 बजे सिंदूर खेला

सेक्टर-9 कम्यूनिटी सेंटर में सुबह 8 बजे महादशमी पर पूजा होगी। इसके बाद साढ़े 10 बजे से सिंदूर खेला का आयोजन किया जाएगा। डीएलएफ-5 में सुबह से ही कार्यक्रमों के साथ-साथ कई स्टॉल यहां पर लगाए जाएंगे। यहां बच्चों के लिए कई फन एक्टिविटीज के साथ डांडिया और रामलीला का मंचन होगा। इसके बाद रावण को जलाया जाएगा।

कहां कितने बजे होगा दहन

- बस स्टैंड के पास दशहरा ग्राउंड में शाम 4 बजे से कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। 6 बजे 60 फुट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा।

- न्यू कॉलोनी स्थित दशहरा ग्राउंड में शाम 5 बजे 50 फुट ऊंचे रावण के दहन का कार्यक्रम शुरू होगा।

- रेलवे रोड स्थित प्रेम मंदिर में श्री सिद्देश्वर रामलीली कमिटी की ओर से 45 फुट का रावण जलाया जाएगा। कार्यक्रम शाम 5 बजे शुरू होगा।

- सेक्टर-31 स्थित श्री कृष्ण मंदिर में शाम 5 बजे से दशहरा उत्सव शुरू होगा। दहन से पहले नन्हे कलाकार मंच पर परफॉर्म करेंगे।

- पालम विहार में पालम चौक के पास स्थित ग्राउंड में शाम 7 बजे रावण दहन किया जाएगा।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का करें इस्तेमाल

बस स्टैंड स्थित गौशाला ग्राउंड के पास इस बार कोई पार्किंग नहीं बनाई गई है। ऐसे में यहां जाने वाले लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। वहीं, न्यू कॉलेनी स्थित दशहरा ग्राउंड में भी पार्किंग के लिए जगह नहीं है। सेक्टर-9 का ग्राउंड काफी बड़ा है। यहां पार्किंग के लिए काफी स्पेस है।